शुभ संकल्प ही श्रेष्ठ जीवन का आधार है - भ्राता वेदपालसाहेब

राजकोट, 20 जून, 2010 । पूण्यप्रदायक सेवाकीय अवसर पर राजपूत वाडी में... 'सौ करोड मिनट शुभकामना बैंक' के उदघाटन सत्र में अपना एकाउंट खुलवाने की इच्छुक आत्माओ का विशाल समुदाय को संबोधते हुए राजकोट के डिवीझनल रेल्वे मेनेजर भ्राता वेदपालसाहेब कहा की आज समाज को जरुरत है अच्छे विचारों की... उन्हों ने कहां की हमारे विचारो में सदा ही कल्याण की भावना होनी चाहिये तभी सुखमय संसार इस धरती पर आयेगा...ये कदम ब्रह्माकुमारीझ ने उठाया है, हम सभी भी इस कार्य में सहयोगी बनें ।

राजयोगा शिक्षीका अंजुबहनने इस प्रोजेक्ट के बारे में अवगत कराते बताया की विश्व के प्रति हमारा योगदान अपनी शुभकामना से कैसे करे?... आशाओ की किरणो का सूर्योदय करने का श्रेष्ठ सोपान अंतर में छीपी हुई असीम शक्तिओ को जागृत करके सभी को शुभ कामना देकर वातावरण को शक्तिशाली बनाना है| साथ में कोमेंट्री के द्वारा शुभकामना के प्रकंपन्न वातावरण में फेलायें।

राजकोट के सिस्टर निवेदिता शैक्षणिक संकुल के स्थापक भ्राता गुलाबभाई जानी ने अपने उदबोधन में बताया की यह शुभकामना की शरुआत हमें अपने परिवार से करनी होगी।

राजकोट सबझोन संचालिका ब्र.कु. भारतीदीदी ने शुभ प्रेरणा देते कहा की शुभ संकल्पो की शक्ति स्वयं को तनाव से मुक्त करती है।

आनंद आश्रम - घोघावदर के भ्राता डो. निरंजन राज्यगुरु ने अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा की ये प्रोजेक्ट सौ करोड मिनट तो क्या हजार करोड मिनट से भी ज्यादा होगा। उसमें हम सबसे पहले डीपोझीटर बनेंगे।

इन्नोवेटीव स्कुल के प्रिन्सीपल भगिनी मोनाबहन रावल ने शुभकामना बेंक मे अपना खाता खोलने की सभी को प्रेरणा दी।

बच्चो ने भी अपने शुभकामनाए नाटिका के द्वारा प्रस्तुत की। सभी का आहवान करके बताया की पुण्य की पुंजी जमा करनी का ये सुअवसर है।

शुभकामना की ज्योत जलाकर... दिप प्रज्ज्वलन करते सभीने संगठीत रुप से विश्व परीवर्तन के लिये शुभ संकल्प किये।

अंत मे सहयोग से होगा सर्वोदय ... नृत्य के द्वारा बच्चो ने सभी को उमंग -उत्साह दिलाया।

भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार फुलोसे और कु. तन्वी ने नृत्य के साथ स्वागत किया।

इस कार्यक्रम का सफल संचालन राजयोग शिक्षीका ब्र.कु. किंजल ने किया।